

#IIT

16वें स्थापना दिवस पर आइआइटी की पहल

2.62 लाख लीटर पानी संरक्षित हो सकेगा

पत्रिका
पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. आइआइटी इंदौर ने सोमवार को 16वां स्थापना दिवस मनाया। इस मौके पर भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) के सचिव डॉ. राजेश गोखले मुख्य अतिथि थे। आयोजन में संवर्धन प्रौद्योगिकी विकास संकुल (ट्रांजिट लैब कॉम्प्लेक्स) का उद्घाटन किया गया। यह 433 वर्गमीटर क्षेत्र में फैला आधुनिक प्रयोगशाला संकुल है, जिसमें चार नई प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं। इस भवन में वर्षा जल संचयन प्रणाली भी लगाई गई है, जिससे हर साल 2.62 लाख लीटर पानी संरक्षित



किया जाएगा।

डॉ. गोखले ने छात्रों और शिक्षकों की ऊर्जा और नवाचार की सराहना करते हुए कहा, आप सभी युवा पीढ़ी देश को विकसित भारत के लक्ष्यों तक पहुंचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस,

डिजिटल दिवन और स्केलेबल इंटेलिजेंस जैसी नई तकनीकों की ओर ध्यान देने की जरूरत पर जोर दिया। निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने बताया, डिजाइन में यूजी कार्यक्रम, संचार एवं सूचना प्रणाली में एमटेक, अंग्रेजी (साहित्य और भाषा विज्ञान) में पीजी कोर्स शुरू किए जा रहे हैं। संस्थान को पिछले वर्ष 40 करोड़ की परियोजनाएं मिली और 76 पेटेंट दर्ज हुए। इनमें दो अंतरराष्ट्रीय हैं। 15 हजार वर्गफीट क्षेत्र में नया प्रयोगशाला परिसर बन रहा है। 100 की क्षमता वाली चार कक्षाओं का निर्माण कार्य जारी है। तीन नए छात्रावासों का निर्माण हो रहा है, जिससे छात्रों की आवासीय क्षमता 5000 से अधिक हो जाएगी।

फैलोशिप से सम्मानित

वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. रघुनाथ साहू और प्रो. बिस्वरूप पाठक को राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की फैलोशिप से सम्मानित किया गया। इसके अलावा 8 सर्वश्रेष्ठ प्रौद्योगिकी पुरस्कार नवाचारों के लिए दिए गए। 11 सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार भी दिए गए। संस्थान के कर्मचारियों को उत्कृष्ट कर्मचारी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस मौके पर आइआइटी इंदौर के शोधकर्ताओं द्वारा विकसित 180 प्रौद्योगिकियों का संकलन 'हैंडबुक ऑफ आइडियाज, इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी' का दूसरा संस्करण भी जारी किया गया।